रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादकः गोपाल गावंडे
वर्ष-14 | अंक-02 | कुल पृष्ठः 8-मूल्य-2 रु.
RNI No. MPHIN/2015/64585

इंदौर, प्रति मंगलवार, 02 जून 2026 से 08 जून 2026 तक

तेज आंधी-बारिश ने पूरे शहर को किया अस्त-व्यस्त

इंदौर में आज दोपहर 3 बजे के बाद मौसम ने अचानक करवट ली। भीषण गर्मी और उमस के बीच अचानक आई तेज आंधी और बारिश ने पूरे शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया।

महज कुछ ही मिनटों में आई इस आंधी बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। तेज हवाओं के चलते शहर के कई इलाकों में पेड़, बिजली के खंभे और घरों के शेड उखड़ने की खबरें आईं। विजय नगर, नंदा नगर क्षेत्र में 5 घंटे बाद बिजली आई। नगर निगम कंट्रोल रूम के मुताबिक कुल 174 स्थानों पर पेड़ों, टहनियों की गिरने की सूचना मिली है। दस से ज्यादा स्थानों पर वाहनों पर पेड़, टहनियां गिरी हैं। इससे मालवा मिल, जंजीरवावाला चौराहा, रीगल, पाटनीपुरा, परदेशीपुरा, एलआईजी, भमोरी की लाइट काफी देर तक गुल रही। इसके अलावा राऊ, छत्रीबाग, संचार नगर, खातीपुरा सहित कुछ स्थानों पर बड़े पेड़ गिरे हैं।

बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप, अंधकार में डूबा शहर

आंधी की शुरुआत होते ही सुरक्षा के लिहाज से और कई जगहों पर लाइनें टूटने के कारण बिजली गुल हो गई। रिंग रोड, विजयनगर, पलासिया, भंवरकुआं, राजेंद्र नगर और छतरीपुरा के कई प्रमुख इलाकों में एक घंटे से अधिक समय से ब्लैकआउट रहा। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी राजेश शर्मा के अनुसार तेज आंधी के कारण कई फीडर ट्रिप हो गए हैं और कुछ मुख्य लाइनों पर पेड़ की शाखाएं गिर गई हैं। हमारी टीमें मुस्तैद हैं, लेकिन बारिश रुकने और मलबा हटने के बाद ही सुधार कार्य तेजी से किया जा सकेगा। रिंग रोड के क्षेत्र में सबसे अधिक पेड़ों के गिरने की घटनाएं हुई। एबी रोड, रिंग रोड और एमजी रोड के कुछ हिस्सों में विशालकाय पेड़ और होर्डिंग्स उखड़कर बीच सड़क पर आ गिरे। कई मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल बंद होने के कारण गाड़ियां रेंगती नजर आईं। तेज आंधी का सबसे बुरा असर शहर के यातायात पर पड़ा है।

शहर में यह हुए घटनाक्रम

- लगभग 50 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने शहर को अस्त व्यस्त कर दिया।
- शहर के 25 से अधिक इलाकों में 3 बजे बाद से कई घंटों तक बिजली पूरी तरह गुल।
- मुख्य मार्गों पर पेड़ गिरने से कई जगह लंबा जाम लग गया।
- कई घरों और दुकानों के टीन शेड हवा में उड़ गए; कुछ वाहनों पर पेड़ गिरने से वे क्षतिग्रस्त हो गए।

गंभीर नदी के लिए प्रशासन का मेगाप्लान

इंदौर में पानी की किल्लत खत्म करने में मिलेगी मदद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर पवित्र जानापाव धाम से की गई गंभीर नदी पुनर्जीवन की घोषणा अब धरातल पर प्रभावी रूप से आकार ले रही है।

इसी क्रम में प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता तेज हो गई है। गंभीर नदी के उद्गम क्षेत्र सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं, नदी तटों, प्रस्तावित चेकडैम स्थलों, जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्यों तथा भूजल पुनर्भरण के लिए बड़े स्तर पर योजना प्रस्तावित की गई है। सीएम के निर्देशानुसार स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नदी पुनर्जीवन कार्यों को मिशन मोड में संचालित करते हुए जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के स्थायी परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। इस पूरी योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करना और जल स्त्रोतों को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करना है।

मालवा अंचल की जीवनरेखा और जनभागीदारी

इसी सप्ताह कलेक्टर शिवम वर्मा ने गंभीर नदी पुनर्जीवन परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्थलों का विस्तृत निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और संभावनाओं का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदानी हकीकत को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि गंभीर नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि मालवा अंचल की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देकर गंभीर नदी को पुनः अविरल और निर्मल बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

मंगलवार विशेष सुविचार

"रण में जीत दिलाने वाले रणजीत हनुमान,
भक्तों के संकट हरते हैं भगवान।
जिनके हृदय में बसते हैं सीताराम,
उनका सदैव होता है कल्याण।"

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ का सघन चेकिंग अभियान, दो बसों पर एक लाख रुपये का जुर्माना

आदित्य शर्मा

इंदौर/कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार संभागीय आरटीओ उड़नदस्ता, इंदौर द्वारा आज रेडिसन चौराहा, तीन इमली चौराहा एवं नेमावर रोड पर सुबह सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान का नेतृत्व आरटीओ इंदौर एवं उड़नदस्ता प्रभारी द्वारा किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि चेकिंग के दौरान 50 से अधिक बसों की गहन जांच की गई। इस दौरान बसों में उपलब्ध इमरजेंसी गेट, अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास व्यवस्था, वाहन के दस्तावेज, परमिट, फिटनेस, बीमा तथा अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जांच के दौरान एक बस ललितपुर से इंदौर तक बिना वैध परमिट के यात्रियों का परिवहन करते हुए पाई गई। इस पर मौके पर ही चालानी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इसी प्रकार एक अन्य बस मुंबई से इंदौर के अस्थायी (टेम्परेरी) परमिट पर संचालित पाई गई, जबकि वह नागपुर से इंदौर तक यात्रियों का परिवहन कर रही थी। परमिट की शर्तों के उल्लंघन पर संबंधित बस के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान दो लोक परिवहन बसों के विरुद्ध कार्रवाई कर कुल एक लाख रुपये का राजस्व वसूल किया गया। आरटीओ अधिकारियों ने बस संचालकों को यात्री सुरक्षा संबंधी सभी नियमों एवं परमिट शर्तों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए तथा भविष्य में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इंदौर जिले की गंभीर नदी को मिल रहा नया जीवन

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने किया गंभीर नदी पुनर्जीवन कार्यों का निरीक्षण

जनसहभागिता एवं विभागीय समन्वय से गंभीर नदी को पुनर्जीवित करने का संकल्प

आदित्य शर्मा

इंदौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर पवित्र जानापाव धाम से की गई गंभीर नदी पुनर्जीवन की घोषणा अब धरातल पर प्रभावी रूप से आकार ले रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने शुक्रवार को गंभीर नदी पुनर्जीवन परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्थलों का विस्तृत निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और संभावनाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन एसडीएम महू श्री राकेश परमार तहसीलदार श्री विवेक सोनी और जनपद पंचायत महू के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरिराज दुबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने गंभीर नदी के उद्गम क्षेत्र सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं, नदी तटों, प्रस्तावित चेकडैम स्थलों, जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्यों तथा भूजल पुनर्भरण के लिए प्रस्तावित हस्तक्षेपों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नदी पुनर्जीवन कार्यों को मिशन मोड में संचालित करते हुए जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के स्थायी परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि गंभीर नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि मालवा अंचल की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देकर गंभीर नदी को पुनः अविरल और निर्मल बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान नदी तटों पर वृक्षारोपण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, कंटूर ट्रेंच, बोल्डर चेकडैम, लूज बोल्डर संरचनाएं, रिचार्ज शाफ्ट, खेत तालाब तथा अन्य जल संरक्षण कार्यों की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मनरेगा, जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अन्य विभागीय योजनाओं के अभिसरण से अधिकतम जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जनपद पंचायत डॉ. अंबेडकर नगर महू, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, वन विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा गंभीर नदी पुनर्जीवन के लिए तैयार कार्ययोजना, प्रस्तावित संरचनाओं और ग्रामवार हस्तक्षेपों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि गंभीर नदी पुनर्जीवन अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित हो सके तथा क्षेत्र में भूजल स्तर में स्थायी सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण ही भविष्य का संरक्षण है। गंभीर नदी का पुनर्जीवन केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। गंभीर नदी पुनर्जीवन अभियान जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में इंदौर जिले का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जनसहभागिता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के माध्यम से क्षेत्र की जल सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल गौरव दिवस की दी बधाई

भोपाल के विलीनीकरण और स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों को किया नमन-भोपाल को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाकर गौरव के इस अवसर को सार्थक करें भोपालवासी

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपालवासियों को 'भोपाल गौरव दिवस' की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जारी संदेश में कहा कि वर्ष 1949 में आज के पावन दिवस पर भोपाल का भारत संघ में विलय हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के विलीनीकरण और स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को नमन किया। साथ ही भोपाल को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाकर गौरव के इस अवसर को सार्थक करने का भोपालवासियों से आहवान किया है।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

संपादकीय

शोर के बीच सच की तलाश

पत्रकारिता की विश्वसनीयता का संकट और समाधान

भारत में पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल उद्देश्य जनता तक सत्य, निष्पक्ष और तथ्यपरक जानकारी पहुंचाना है। बदलते समय के साथ पत्रकारिता ने अनेक रूप बदले हैं। प्रिंट मीडिया से लेकर इलेक्ट्रॉनिक और अब डिजिटल मीडिया तक की यात्रा ने सूचना के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है। लेकिन इस तेज़ी के दौर में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम सच के उतने ही करीब हैं, जितने पहले हुआ करते थे? आज सूचना का विस्फोट हो चुका है। हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है और हर मिनट हजारों खबरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही हैं। ऐसे में समाचारों की सत्यता और विश्वसनीयता सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। कई बार अपुष्ट खबरें, अफवाहें और भ्रामक जानकारियां इतनी तेजी से फैलती हैं कि उनका प्रभाव समाज पर गंभीर रूप से पड़ता है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है। जब पत्रकारिता अपने मूल्यों से भटकती है तो जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। टीआरपी, क्लिक और वायरल होने की होड़ में कई बार तथ्य पीछे छूट जाते हैं। यही कारण है कि आज मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि चुनौतियों के बीच अवसर भी मौजूद हैं। डिजिटल युग ने पत्रकारिता को अधिक पारदर्शी और जनसुलभ बनाया है। अब आम नागरिक भी अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। जरूरत इस बात की है कि पत्रकार और मीडिया संस्थान सत्यापन, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के सिद्धांतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। पत्रकारिता की असली ताकत उसकी विश्वसनीयता है। यदि जनता का भरोसा कायम है, तो मीडिया अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि हम गति से अधिक गुणवत्ता, सनसनी से अधिक सत्य और प्रतिस्पर्धा से अधिक जनहित को महत्व दें। लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता अनिवार्य है। आज आवश्यकता है कि मीडिया केवल खबरों का माध्यम न बने, बल्कि समाज में जागरूकता, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बने। यही पत्रकारिता की वास्तविक पहचान है और यही उसका भविष्य भी।

- गोपाल गावंडे,
प्रधान संपादक

माँ अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण

इंदौर। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर प्रदेशभर में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आदर्शों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि माँ अहिल्याबाई होल्कर न्यायप्रिय, दूरदर्शी एवं जनकल्याणकारी शासिका थीं। उनके शासनकाल में शिक्षा, धर्म, संस्कृति तथा जनसेवा को विशेष महत्व दिया गया। उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं एवं जनहित के निर्माण कार्य कराए, जिनका लाभ आज भी समाज को मिल रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं विचार गोष्ठियों का भी आयोजन किया गया। माँ अहिल्याबाई होल्कर का जीवन त्याग, सेवा, न्याय और सुशासन का अनुपम उदाहरण है। उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया गया।

इंदौर पुलिस के संजीवनी बाल मित्र केंद्र थाना छत्रीपुरा में, किया गया 07 दिवसीय समर कैंप का सफलतापूर्वक समापन

समापन अवसर पर बच्चों को प्रमाण-पत्र, मिठाइयाँ एवं उपहार से उत्साहवर्धन के साथ ही, एक अच्छे नागरिक बनने के लिए किया प्रेरित

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित संजीवनी बाल मित्र केंद्र, छत्रीपुरा में आयोजित 07 दिवसीय समर कैंप का उत्साहपूर्ण एवं सफल समापन किया गया।

इंदौर पुलिस द्वारा कमजोर वर्ग के जरूरतमंद एवं उपेक्षित बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति से जोड़ने के लिए उक्त केंद्र का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत ही पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री दिशेष अग्रवाल, नोडल अधिकारी सामुदायिक पुलिसिंग श्रीमती सीमा अलावा, सहायक पुलिस आयुक्त सराफा श्री विजय तिवारी के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी छत्रीपुरा श्री संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में बच्चों के लिए एक 7 दिवसीय समर कैंप आयोजन किया गया था, जिसमें शिविर का संचालन प्रधान आरक्षक श्री संजय राठौर द्वारा किया गया।

समर कैंप के दौरान बच्चों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिनमें—

* योग एवं ध्यान
* कला एवं शिल्प
* चित्रकला प्रतियोगिता
* महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा एवं उच्च आदर्श
* साइबर अपराधों से बचाव
* नशे के दुष्परिणाम
* गुड टच-बैड टच एवं पॉक्सो अधिनियम
* बाल अधिकार एवं संरक्षण

जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

कैंप के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं अतिथि वक्ताओं ने बच्चों को अपने अनुभवों एवं ज्ञान से लाभान्वित किया। इनमें सहायक पुलिस आयुक्त सराफा श्री विजय तिवारी, थाना प्रभारी छत्रीपुरा श्री संजीव श्रीवास्तव, जिला अभियोजन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह राठौड़, योगाचार्य श्री श्रवण कुमार शर्मा, डॉ. रूपाली राठौर, हाईकोर्ट अधिवक्ता श्री कृष्ण कुमार कुन्हारे, एडीपीओ श्रीमती सुशीला राठौर, श्रीमती कुसुम शर्मा, श्रीमती ललिता राठौर (बाल कल्याण समिति), श्रीमती नेहा शर्मा (ऊर्जा एनजीओ), श्री कपिल शर्मा एवं श्री उत्कर्ष चौधरी शामिल रहे।

समापन समारोह में बच्चों को प्रमाण-पत्र, मिठाइयाँ एवं विभिन्न उपयोगी उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों ने भी कैंप के दौरान सीखी गई गतिविधियों एवं अनुभवों को साझा किया।

उल्लेखनीय है कि संजीवनी बाल मित्र केंद्र, छत्रीपुरा इंदौर पुलिस की एक अनूठी एवं प्रेरणादायी पहल है, जो वर्ष 2005 से निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य अपराध प्रभावित अथवा सामाजिक रूप से वंचित परिवारों के बच्चों को सकारात्मक दिशा प्रदान करना, उन्हें शिक्षा, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना तथा उन्हें जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनाना है। अब तक इस केंद्र के माध्यम से 7,000 से अधिक बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा चुका है।

इंदौर पुलिस की यह पहल सामुदायिक पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

CBSE 12वीं परीक्षा में आदित्य देवड़ा का शानदार प्रदर्शन

इंदौर। CBSE 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में सेंट अर्नोल्ड्स को-एड स्कूल के छात्र आदित्य देवड़ा ने 92.2% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। आदित्य ने अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन में 95-95 अंक, लेखाशास्त्र में 93 अंक तथा अंग्रेजी एवं शारीरिक शिक्षा में 89-89 अंक प्राप्त किए।

इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता जितेन्द्र देवड़ा एवं प्रीति देवड़ा सहित परिजनों, मित्रों और राजपूत समाज ने हर्ष व्यक्त करते हुए आदित्य को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

रोजगार मेले में 113 युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में मिला रोजगार

युवाओं को दी गई शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी

इंदौर. मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आज सोमवार को रोजगार मेले (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया।

इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 11 कंपनियों द्वारा 113 युवाओं का चयन रिक्त पदों की पूर्ति हेतु किया गया। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 237 उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया था , जिसमें से कुल 172 युवक एवं 65 युवतियों शामिल है। कुल 113 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से फार्मासिस्ट, एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सहायक प्रबंधक, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, ट्रेनी, फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा, टर्नर, ऑपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया।

रोजगार मेले में जिला उद्योग केंद्र के मैनेजर द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 08 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही स्वरोजगार हेतु प्रकरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। शासन की अप्रेन्टिसिप योजना अंतर्गत 04 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। उक्त कार्यक्रम तीनों विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

संदीपनि विद्यालय खनियाधाना में छात्रों का हंगामा

शिक्षकों पर प्रोजेक्ट में भेदभाव का आरोप, परीक्षा प्रभारी पर स्कूल में वर्षगांठ मनाने का आरोप

अतुल जैन

अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ल ने सुनी समस्याएं, जांच के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

खनियाधाना। शिवपुरी जिले के खनियाधाना स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय में सोमवार को छात्रों ने शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

मामले की जानकारी मिलने पर अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ल विद्यालय पहुंचे और ABVP से जुड़े छात्रों की समस्याएं सुनीं।

क्या है छात्रों के आरोप

छात्रों का आरोप है कि पिछले दिनों हुई परीक्षाओं में प्रोजेक्ट के नंबरों में हेरफेर किया गया है। छात्रों ने कहा कि विद्यालय में नियमित रूप से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट में नंबर कम कर दिए गए, जबकि जिनकी उपस्थिति न के बराबर थी उनके नंबर बढ़ा दिए गए। छात्रों ने इसे सीधा-सीधा भेदभाव बताते हुए जांच की मांग की।

विद्यालय में निजी आयोजन का मामला

इस दौरान एक अन्य मामला भी सामने आया। छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय के परीक्षा प्रभारी शिक्षक मोहन सोनी ने कुछ दिन पूर्व स्कूल परिसर में ही अपनी वैवाहिक वर्षगांठ का आयोजन किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि शासकीय विद्यालय में इस तरह के निजी आयोजन से संस्था की मर्यादा प्रभावित होती है और छात्रों पर गलत असर पड़ता है।

अपर कलेक्टर ने दिया जांच का आश्वासन

मौके पर पहुंचे अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ल ने छात्रों से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि "छात्रों द्वारा लगाए गए दोनों आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। प्रोजेक्ट के नंबरों में हेरफेर और विद्यालय परिसर में निजी आयोजन के मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।"

शिक्षा विभाग की साख पर सवाल

गौरतलब है कि सांदीपनि विद्यालय शासन की महत्वपूर्ण योजना के तहत संचालित होते हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। ऐसे में विद्यालय में पदस्थ शिक्षक पर ही नियम विरुद्ध आचरण के आरोप लगने से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा की जाने वाली जांच और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

इनका कहना है...

"विद्यालय में प्रोजेक्ट के अंकों को लेकर कुछ छात्रों की शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके संबंध में निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच प्रक्रिया में एक सप्ताह का समय लगेगा और पूरी रिपोर्ट स्पष्ट होने के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, स्कूल में शादी की सालगिरह मनाने और छात्रों की उपस्थिति व अंकों में अनियमितता के जो आरोप लगाए गए हैं, उन सभी बिंदुओं पर हम अटेंडेंस रजिस्टर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रहे हैं। हम इस मामले में पूरी पारदर्शिता बरतेंगे।"

-दिनेश चंद्र शुक्ल, अपर कलेक्टर

आबकारी इंदौर की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही

आदित्य शर्मा

इंदौर. कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, उड़नदस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी के निर्देशन में अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 01.06.2026 को वृत्त आंतरिक क्षेत्र क्रमांक-01 के उप निरीक्षक आशीष कुमार जैन द्वारा प्राप्त सूचना पर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई की गई, कार्रवाई के दौरान मोबिन उर्फ हनी पिता नफीस खान (26 वर्ष), निवासी अहिल्या पलटन, सदर बाजार, इंदौर को अवैध मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 100 पाव देशी मदिरा प्लेन तथा परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर का TVS जुपिटर स्कूटर जप्त किया गया। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1.25 लाख रुपये है।

आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त कार्रवाई में आरक्षक मुकेश रावत, शुभम गोंड, विपुल खरे एवं वीरेन्द्र पटेल का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

धर्मवीर सेवा संस्थान का "शिक्षा एवं संस्कार अभियान" कार्यक्रम गरिमामयी वातावरण में संपन्न

राजेश धाकड़

इंदौर। धर्मवीर सेवा संस्थान द्वारा आयोजित "शिक्षा एवं संस्कार अभियान" कार्यक्रम रविवार को महक वाटिका गार्डन में अत्यंत गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं महिलाओं की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। संस्था द्वारा शिक्षा, सेवा एवं संस्कार आधारित सामाजिक कार्यों की जानकारी उपस्थित जनसमूह को दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कथावाचक मेघा शर्मा जी (आचार्य पुंडलिक गोस्वामी जी की शिष्या) ने अपने उद्बोधन में शिक्षा एवं संस्कारों को समाज की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक जयंत मूले जी ने समाज में शिक्षा, अनुशासन एवं सेवा भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि स्मिति मारू, हीना शाह एवं शैली अवस्थी ने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता एवं संस्कारयुक्त शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए।

संस्था के कार्यकारिणी अध्यक्ष सौरभ पांडे ने कहा कि धर्मवीर सेवा संस्थान निरंतर समाजहित एवं शिक्षा आधारित गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रहा है।

संस्था के मीडिया प्रभारी प्रियांशु राय ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक कपिल बारे एवं कार्यक्रम प्रभारी विशाल श्रीवास रहे। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सचिव चेतन भोसले, पंकज पाटिल, दुर्गेश गोलकर, जितेन राठौर, आयुष पाटिल, दीपक गोविंद चौहान एवं अंकित महाराज सहित समस्त कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन जितेंद्र राठौर द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बच्चों के सपनों, अधिकारों और हितों के प्रति समर्पित रहना जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस की बधाई दी

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि आज के बच्चे ही कल राष्ट्र और समूची मानवता का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी को बच्चों के सपनों, अधिकारों और हितों के प्रति सदैव समर्पित रहना होगा। इस दिशा में हमारी सरकार हमेशा उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस' पर हर बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लेने का प्रदेशवासियों से आव्हान किया है।

सहजयोग ध्यान से होती है अपने सत्य और असत्य स्वरूप की पहचान

सहजयोग केवल एक ध्यान पद्धति नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार की एक जीवंत प्रक्रिया है। परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी द्वारा स्थापित इस दिव्य साधना में मनुष्य अपने भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण के माध्यम से चैतन्य का अनुभव करता है। जब साधक नियमित रूप से सहजयोग ध्यान करता है, तब उसके भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन प्रारंभ होता है। इसी परिवर्तन के साथ "असत्य स्वरूप" की पहचान होने लगती है।

सामान्य जीवन में मनुष्य स्वयं को शरीर, विचार, पद, प्रतिष्ठा और अहंकार तक सीमित मान लेता है। वह बाहरी संसार की वस्तुओं में सुख खोजता है और परिस्थितियों के अनुसार कभी प्रसन्न तो कभी दुखी होता रहता है। परंतु सहजयोग ध्यान के पश्चात साधक धीरे-धीरे अनुभव करता है कि यह सब स्थायी नहीं है। क्रोध, भय, लोभ, ईर्ष्या, असुरक्षा और अहंकार, ये सभी मन की अस्थायी अवस्थाएँ हैं, वास्तविक आत्मस्वरूप नहीं।

जब कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार में चैतन्य प्रवाहित करती है, तब साधक के भीतर साक्षीभाव विकसित होने लगता है। वह अपने विचारों को देखने लगता है, उनसे जुड़ता नहीं। इसी अवस्था में मन के भ्रम और असत्य स्वरूप स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। जो बातें पहले अत्यंत महत्वपूर्ण लगती थीं, वे अब क्षणिक और माया का भाग प्रतीत होने लगती हैं।

सहजयोग में "माया" का अर्थ केवल संसार नहीं, बल्कि वह भ्रम है जो आत्मा और परमचैतन्य के बीच दूरी उत्पन्न करता है। जब ध्यान गहरा होता है, तब यह माया धीरे-धीरे हटने लगती है। साधक अनुभव करता है कि वास्तविक आनंद बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर की शांति और चैतन्य में है। ध्यान के पश्चात व्यक्ति के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई देता है। वह अधिक शांत, संतुलित और करुणामय बनता है। प्रतिक्रियाएँ कम होने लगती हैं और क्षमा का भाव बढ़ता है। अब वह दूसरों की कमियों में उलझने के बजाय स्वयं के आत्मचिंतन की ओर अग्रसर होता है। यही सहजयोग की निर्मल चेतना का प्रभाव है।

सहजयोग सिखाता है कि सत्य को केवल पढ़ा या समझा नहीं जा सकता, बल्कि उसे अनुभव किया जाता है। जब आत्मा का प्रकाश भीतर प्रकट होता है, तब असत्य अपने आप नष्ट होने लगता है। उस समय साधक को यह अनुभव होता है कि वास्तविक पहचान न शरीर है, न मन, बल्कि शुद्ध आत्मा है। अंततः सहजयोग ध्यान मनुष्य को असत्य और भ्रम की सीमाओं से निकालकर आत्मसाक्षात्कार की ओर ले जाता है।

आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

जल संचय जन भागीदारी" अभियान के तहत 20,490 कंटूर ट्रेंच बनाकर देश में द्वितीय स्थान पर रहा नगर निगम खंडवा

इन्दौर. जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अंतर्गत संचालित "जल संचय जनभागीदारी" अभियान में खण्डवा नगर निगम ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए कंटूर ट्रेंच निर्माण के क्षेत्र में देशभर के नगरीय निकायों की श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

नगर निगम खंडवा की आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत ने बताया कि कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से संचालित इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु 29 सदस्यीय विशेष दल का गठन किया गया। दल में शामिल अधिकारी-कर्मचारियों ने खण्डवा नगर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक सर्वेक्षण कर लगभग 130 स्थलों का चिन्हांकन किया, जहाँ कंटूर ट्रेंच निर्माण के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण की अपार संभावनाएं थीं।

इन चिन्हित स्थानों पर 20,490 कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया, जिससे खण्डवा नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कंटूर ट्रेंच निर्माण से वर्षा के जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर अधिगम परिणामों के लिए राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण कल से

भोपाल. प्रदेश के शासकीय स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं बेहतर अधिगम परिणामों के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 2 जून से शुरू होगा। इसमें प्रदेश के सभी जिलों से चयनित शिक्षकों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार के राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (SIEMAT) तथा लोक शिक्षण संचालनालय के असेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में राज्य के सभी जिलों से चयनित शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 2 जून 2026 से AICUF (ऑल इंडिया कैथोलिक यूनिवर्सिटी फेडरेशन) में किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के 1,872 शिक्षक शामिल होंगे।

प्रदेश में चल रही है समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) लागू करने की प्रक्रिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में गठित की गई है उच्च स्तरीय समिति-आम नागरिकों से किये गये है सुझाव आमंत्रित

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी) लागू करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

वर्तमान समय में विभिन्न धर्मों में विवाहित बहनों के लिए प्रचलित अलग-अलग रीति-रिवाज और नियमों की आवश्यकता नहीं है। मध्यप्रदेश को आज समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। वर्तमान में देश के तीन राज्यों उत्तराखंड, गुजरात और असम ने समान नागरिक संहिता को लागू किया है। मध्यप्रदेश सरकार ने भी यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी आज सोमवार को मंत्रालय में मीडिया को जारी वक्तव्य में दी।

जिलों में विभिन्न धर्म समुदाय के लोगों से लिए जायेंगे सुझाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में यूसीसी के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों को इस समिति में स्थान दिया गया है। यह समिति प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग-अलग धर्म-समुदाय के लोगों से सुझाव प्राप्त करेगी।

सभी वर्गों के साथ संवाद और समन्वय से लागू की जायेगी समान नागरिक संहिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्य की जन हितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश समान नागरिक आचार संहिता लागू करने के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जिस पर आम नागरिक अपने सुझाव दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से प्रदेश में सौर ऊर्जा क्रांति, 'सोलर चाचा' व्हाट्सएप चैटबॉट हुआ लॉन्च

इन्दौर. प्रदेशवासियों को बिजली बिल की चिंता से राहत दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (MPUVNL) द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (PMSGMBY) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत नागरिकों को अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के तहत मार्च 2027 से पहले रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ मिलेगा। प्रदेश में अब तक 2 लाख से अधिक उपभोक्ता इस योजना में नामांकन करा चुके हैं और सौर ऊर्जा अपनाकर बिजली खर्च में कमी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

योजना के तहत 3 किलोवाट क्षमता तक के रूफटॉप सोलर प्लांट पर उपभोक्ताओं को अधिकतम 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा सोलर संयंत्र स्थापना के लिए 5.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर से ऋण सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आम नागरिकों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना और अधिक आसान हो गया है। रूफटॉप सोलर सिस्टम लगवाने से उपभोक्ता अपने मासिक बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी ला सकते हैं। कई परिवारों के बिजली बिल लगभग शून्य तक पहुंच गए हैं। सोलर संयंत्रों की औसत आयु लगभग 25 वर्ष होती है, जिससे उपभोक्ताओं को लंबे समय तक आर्थिक लाभ मिलता है। योजना की आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है तथा केवल भारत सरकार के पंजीकृत सोलर वेंडरों के माध्यम से ही संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं।

योजना की जानकारी को आमजन तक सरल और प्रमाणिक रूप से पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड ने व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट "सोलर चाचा" का शुभारंभ किया है। इस डिजिटल सुविधा के माध्यम से नागरिक योजना से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी, पंजीकृत विक्रेताओं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इच्छुक हितग्राही प्रचार सामग्री में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं अथवा 8815107640 नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से "Hello" संदेश भेजकर चैटबॉट सेवा का लाभ ले सकते हैं।

ऊर्जा विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ और हरित ऊर्जा को अपनाते हुए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लें तथा आत्मनिर्भर और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। योजना का उद्देश्य न केवल उपभोक्ताओं के बिजली खर्च को कम करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देना है।

आकाशीय बिजली एवं सर्पदंश से बचाव के लिये परामर्श जारी

इन्दौर. मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग, द्वारा प्रदेश में लू-तापघात, आकाशीय बिजली एवं सर्पदंश जैसी मौसमी एवं प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से संचार माध्यमों से जनजागरूकता करते हुए परामर्श दिया जा रहा है।

सचिव (गृह) एवं समन्वयक मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्रीमती कृष्णावेणी देशावतु ने बताया कि विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए आमजन तक सुरक्षा संबंधी संदेश पहुँचाए जा रहे हैं, जिससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकाधिक नागरिकों को समय रहते आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सके। अभियान का उद्देश्य लोगों में जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा की स्थिति में त्वरित एवं उचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है।

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में बढ़ता तापमान लू-तापघात की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। विशेष रूप से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, श्रमिकों तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित व्यक्तियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने तथा शरीर में जल की कमी न होने देने संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मानसून अवधि में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएँ अनेक बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। इस संबंध में नागरिकों को सलाह दी गई है कि मौसम में अचानक परिवर्तन, तेज गर्जना एवं बिजली की चमक को संभावित खतरे के संकेत के रूप में गंभीरता से लें। ऐसे समय में खुले स्थानों, खेतों, जलाशयों, विद्युत खंभों तथा बड़े वृक्षों के नीचे रुकने से बचें तथा सुरक्षित भवनों में शरण लें। नागरिकों को आकाशीय बिजली संबंधी पूर्व चेतावनी प्राप्त करने के लिए "दामिनी" मोबाइल ऐप के उपयोग के लिये भी प्रेरित किया जा रहा है। किसानों एवं पशुपालकों को विशेष सतर्कता बरतने तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है।

वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। जलभराव एवं प्राकृतिक आवास प्रभावित होने के कारण साँप मानव बस्तियों के समीप आ सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखना, झाड़ियों एवं कबाड़ को हटाना, जूते एवं कपड़ों को उपयोग से पूर्व सावधानीपूर्वक जांचना तथा खेतों, जंगलों एवं जल स्रोतों के समीप अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाने तथा किसी भी प्रकार के अंधविश्वास अथवा अप्रमाणित उपचार से बचने की सलाह दी गई है। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम विभाग एवं प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों एवं परामर्शों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति, दुर्घटना अथवा संकट की स्थिति में तत्काल डायल-112 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त करें।

सतर्कता, जागरूकता एवं समय पर अपनाई गई सावधानियाँ जनहानि एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसी उद्देश्य से राज्य स्तर पर निरंतर जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22वीं एशियन अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स के पदक विजेताओं को दी बधाई

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 22वीं एशियन अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी हैं। भारतीय दल ने इस प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संपूर्ण भारतवर्ष के लिए यह गौरवशाली क्षण है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन और प्रतिभा से देश व प्रदेश का नाम रोशन करते रहें, यही कामना है।

तकनीक आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों को मिलेंगे नए अवसर : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन को गति देने के लिए इंदौर में आयोजित हुआ 'डिजी100x मध्यप्रदेश समिट'

उच्च शिक्षा विभाग एवं डिजी के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा के डिजिटल भविष्य पर हुआ मंथन

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने किया समिट का शुभारंभ

इन्दौर. मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को इंदौर के मेरियट होटल में "डिजी100x मध्यप्रदेश समिट" का आयोजन किया गया।

उच्च शिक्षा विभाग एवं डिजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महत्वपूर्ण समिट का शुभारंभ प्रदेश के उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, उच्च शिक्षा आयुक्त श्री प्रबल सिपाहा, श्री आर.आर. कन्हेरे सहित प्रदेश के विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलसचिव, शिक्षाविद, नीति-निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समिट का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के बदलते स्वरूप, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा डिजिटल नवाचारों के माध्यम से शिक्षण एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आधुनिक बनाना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में डिजिटल परिवर्तन की संभावनाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, ई-गवर्नेंस, डिजिटल मूल्यांकन तथा भविष्य की शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई।

अपने उद्बोधन में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि विभाग उत्तर पुस्तिकाओं के शत-प्रतिशत डिजिटल वैलिडेशन की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और प्रभावी बन सकेगी। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित शिक्षा केवल प्रशासनिक सुधार का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने का सशक्त उपकरण भी है।

श्री परमार ने बताया कि विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार की जा रही है तथा उन्हें बहुभाषी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तेलुगू, तमिल, मराठी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग समय की मांग है। उच्च शिक्षा संस्थानों को विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तकनीकी रूप से सशक्त बनाना होगा। इसके लिए विश्वविद्यालयों को शोध, नवाचार तथा डिजिटल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में गति, पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए तकनीक को अपनाना आवश्यक है। जब तकनीकी विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय और शासन मिलकर योजनाओं का स्वरूप तैयार करते हैं, तब शिक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था को नई दिशा मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग उच्च शिक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और सीखने के अधिक अवसर उपलब्ध कराएगा।

मंत्री श्री परमार ने परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मूल्यांकन (डिजिटल इवैल्यूएशन) प्रणाली को अपनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी नवाचारों का उपयोग शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए अनिवार्य हो गया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों, तकनीकी विशेषज्ञों तथा शासन के प्रतिनिधियों से इस विषय पर व्यापक विमर्श कर व्यवहारिक और प्रभावी समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को लागू करने से परीक्षा प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार होगा, परिणामों की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने इस कार्यशाला को समयानुकूल और महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'सार्थक ऐप' आधारित उपस्थिति प्रणाली को लागू करने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली में 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन और 70 प्रतिशत लिखित परीक्षा के अनुपात का उल्लेख करते हुए कहा कि बदलते शैक्षणिक परिवेश को देखते हुए इसे 40:60 करने पर विचार किया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों की सतत शैक्षणिक सहभागिता और कक्षा आधारित सीखने की प्रक्रिया को अधिक महत्व मिलेगा।

उच्च शिक्षा आयुक्त श्री प्रबल सिपाहा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज शिक्षा जगत की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। विद्यार्थियों को एआई आधारित तकनीकों से परिचित कराने के लिए महाविद्यालयों में एआई से संबंधित सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों को एआई टूल्स के रचनात्मक, नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें।

समिट के दौरान विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, स्मार्ट प्रशासन, ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली, डेटा आधारित प्रबंधन तथा तकनीक आधारित कौशल विकास जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि डिजिटल संसाधनों और नवाचारों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक सुलभ, प्रभावी और समावेशी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, विश्वविद्यालय प्रशासकों तथा तकनीकी विशेषज्ञों के बीच सार्थक संवाद स्थापित कर उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में साझा कार्ययोजना तैयार करना था। समिट में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने उच्च शिक्षा को अधिक नवाचारी, विद्यार्थी-केंद्रित, समावेशी और भविष्य उन्मुख बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए।

35 हजार से अधिक छात्रों, प्राध्यापकों ने सामूहिक योग कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

इन्दौर. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत देशभर में आयोजित किए जा रहे योग महोत्सव एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरूआत हो गई है।

इसी के तहत सोमवार को नेमावर रोड़ स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी इंदौर में सामूहिक योग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के योगगुरू एवं एस. व्यासा यूनिवर्सिटी के कुलगुरू पद्मश्री डॉ. एच. आर. नागेन्द्र, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, संस्थान के डायरेक्टर श्री सुरेश सिंह भदोरिया, डॉ. मयंक भदोरिया, डॉ. दीप्ति सिंह हाड़ा सहित अमलतास तथा इंडेक्स समूह संस्थानों के छात्र, नागरिक और सामाजिक संगठन आदि शामिल हुए।

कार्यक्रम में मालवांचल एवं अमलतास यूनिवर्सिटी के 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ योगगुरू पद्मश्री डॉ. एच. आर. नागेन्द्र , उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, संस्थान के डायरेक्टर श्री सुरेश सिंह भदोरिया, डॉ. मयंक भदोरिया ने भी छात्रों के साथ सामूहिक योग किया।

इस मौके पर अपने संबोधन में योगगुरू पद्मश्री डॉ. एस. आर. नागेन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की योग के प्रति रूचि और आस्था के चलते योग आज पूरी दुनिया में फैल गया है। भारत में 30 करोड़ लोग आज से जुड़े हैं और यह संख्या दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है।

मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल है और इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। हमें पूरे मध्यप्रदेश के नागरिकों को योग से जोड़ना है और प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में योग पाठ्यक्रम को शामिल किया जाए। डॉ. नागेन्द्र ने कहा कि अब पश्चिम बंगाल में भी सांस्कृतिक जागरण हो गया। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक बड़ा योग का कार्यक्रम कलकता में किया जाएगा। योग केवल आसन नहीं है बल्कि एक जीवन पद्धति है। योग करने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है और उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विश्व स्तर पर निरंतर विस्तार प्राप्त कर रहा है। आज यह दिवस 190 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और लाखों लोग योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

इस मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व दिए गए संदेश में कहा गया कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा का वह अमूल्य उपहार है जिसने सम्पूर्ण विश्व को समरसता और स्व से समष्टि तक की यात्रा का मार्ग दिखाया है। आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों के सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन रहा है। शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ मन को स्थिरता, बुद्धि को स्पष्टता और जीवन को उद्देश्य प्रदान करने वाली योग एक जीवन पद्धति है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "योग फॉर हेल्दी एजिंग" है। योग हमें हर आयु में शारीरिक सक्रियता, मानसिक संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान कर उनके बीमारियों से बचाव और लड़ने में मदद करता है।

कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती रेशमा खुराना ने बताया कि आज का यह योग महोत्सव संस्थान के 11 जोन में एक साथ किया गया, जिसमें मालवांचल, अमलतास एवं इंडेक्स संस्थान के 35 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने सामूहिक योग किया। कार्यक्रम में योगगुरु पद्मश्री डॉ. एच. आर. नागेन्द्र की उपस्थिति में नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मालवांचल यूनिवर्सिटी के प्रमुख श्री भदोरिया को योग का विश्व रिकॉर्ड बनने पर प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में इंदौर संभाग से प्रारंभ होगा बस आपरेशन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएम ई-बस सेवा के तहत इंदौर शहर में प्रारंभ होगा 150 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन

इंदौर से प्रदेश के अन्य जिलों के लिए, इंदौर शहर एवं उप नगरीय क्षेत्रों तक सिटी बसें

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में सोमवार को हुई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत प्रदेश में बसों के संचालन हेतु, मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एण्डं इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के संचालक मण्डल की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री मनीष सिंह द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। संपूर्ण मध्यप्रदेश को 7 क्षेत्रों में, इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर एवं रीवा विभक्त करते हुए इन शहरों में पूर्व से क्रियाशील शहरी परिवहन के लिये कंपनियों के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि पीएम ई-बस सेवा और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना में बसों का संचालन सर्वप्रथम इंदौर क्षेत्र से प्रारंभ किया जाएगा। इंदौर क्षेत्र के तहत, इंदौर संभाग के समस्त जिले तथा इंदौर स्थित अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (A.I.C.T.S.L.) अब संपूर्ण इंदौर संभाग से प्रारंभ होने वाली बसों के कार्यक्षेत्र में कार्य करेंगी। इंदौर क्षेत्र से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत निम्न तीन श्रेणी की बसों का संचालन जुलाई माह प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित किया गयाः-

(अ) इंदौर से मध्यप्रदेश के अन्य जिलों को जोड़ने वाली इंटरसिटी मार्गों पर बसों का संचालन।

(ब) इंदौर शहर में सिटी बसों का संचालन तथा इस श्रेणी में उपनगरीय क्षेत्रों तक अधिसूचित मार्गों पर भी बसों का संचालन।

(स) इंदौर संभाग के समीपवर्ती राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश जाने वाले अंतर्राज्यीय मार्गों पर अनुबंध अनुसार बसों का संचालन।

इसके साथ-साथ यह भी अवगत कराया गया कि पीएम ई-बस सेवा की 150 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन भी इंदौर शहर में जुलाई माह से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।

प्रबंध संचालक द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि 7 क्षेत्रीय मुख्यालयों के 7 शहर से, प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों तक जाने वाले कुल 620 मार्गों को चिन्हित किया गया है। इनमें कुल 2432 बसें संचालित होगी। इसके तहत इन्दौर क्षेत्र से प्रदेश के अन्य जिलों में कुल 121 मार्ग चिन्हित किये गये हैं, जिनमें 608 बसें संचालित की जायेंगी।

सात क्षेत्रीय मुख्यालय इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, जबलपुर और रीवा में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत सिटी बसों का संचालन भी किया जायेगा। यह बसें आमजन की सुविधा हेतु शहर से आगे महत्वपूर्ण उप नगरीय क्षेत्रों तक भी जा सकेंगी। इस श्रेणी के सिटी रूट के तहत इंदौर में शहर के अंदर एवं उप नगरीय क्षेत्रों तक कुल 28 मार्ग चिन्हित किये गये हैं। इनमें आमजन की सुविधा हेतु 784 बसें (पीएम ई-बस सेवा की 150 बसों को मिलाकर) संचालित की जायेंगी। इसी प्रकार यह भी बताया गया कि इंदौर क्षेत्र से महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश राज्यों के लिये जाने वाली बसों के मार्ग अनुबंध अनुसार कुल 101 हैं। इसमें कुल 276 अंतर्राज्यीय बसों का संचालन अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (A.I.C.T.S.L), के द्वारा किया जायेगा। इसी प्रकार इंदौर से प्रारंभ होने वाली इंटरसिटी सिटी बसें एवं अंतर्राज्यीय, कुल मार्गों की संख्या क्रमशः 250 हैं। इनमें कुल 1688 बसों का संचालन किया जाना प्रस्तावित हैं।

प्रबंध संचालक द्वारा यह अवगत कराया गया कि जिस प्रकार से इंदौर क्षेत्र से उक्त तीनों श्रेणी की बसों का संचालन विभिन्न मार्गों पर किया जायेगा। इसी प्रकार अन्य 6 क्षेत्रीय मुख्यालयों से भी इन तीनों श्रेणी की बसों का संचालन चिन्हित मार्गों पर उस क्षेत्र की सहायक कंपनियों द्वारा किया जायेगा। सम्पूर्ण प्रदेश के सात क्षेत्रों में कुल सभी श्रेणी के 1164 मार्गों को चिन्हित किया गया है, जिसमें कुल 5206 बसें संचालित होंगी। बसों का संचालन मोटरयान अधिनियम 1988 के सुसंगत प्रावधानों के तहत, स्कीम के प्रकाशन उपरांत होगा। इसमें वर्तमान संचालित निजी बसों के अनुज्ञा-पत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा वे यथावत पूर्व व्यवस्था अनुसार संचालित होती रहेंगी।

संचालक मण्डल की बैठक में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत गठित की गई राज्य स्तरीय कंपनी एवं सात सहायक क्षेत्रीय कंपनियों के संगठनात्मक महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं पदों की स्वीकृति भी संचालक मण्डल द्वारा दी गई। इन कंपनियों में प्रभावशील रहने वाले सेवा भर्ती नियम-2026 की भी स्वीकृति संचालक मण्डल द्वारा प्रदान की गई है। राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एण्डि इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में 7 विभाग कार्य करेंगे, जो क्रमशः IT एवं ITMS विभाग, planning एवं अनुबंध विभाग, पॉलिसी विभाग एवं अनुसंधान, मानव संसाधन एवं विधि विभाग, अधोसंरचना विभाग, प्रवर्तन एंव गुणवत्ता विभाग तथा Buiseness Development विभाग कार्य करेंगे। सभी विभागों के प्रमुख, मुख्य महाप्रबंधक रहेंगे। इन पदों पर भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के साथ अन्य तकनीकी विशेषज्ञों को लिया जा सकेगा। इस होल्डिंग कंपनी में प्रतिनियुक्ति, संविदा और संविलयन के आधार पर पदों की भर्ती की जा सकेगी। राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी में कुल 140 पद उच्च प्रबंध श्रेणी, वरिष्ठ प्रबंध श्रेणी एवं कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी में स्वीकृत किए गए हैं।

राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के अधीन 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों में कुल 150 पदों की स्वीकृति दी गई है। सभी सहायक कंपनियां एक कार्यकारी संचालक के अधीन होंगी। सहायक क्षेत्रीय कंपनियों के अधीन संचालित होने वाली बसों की सुरक्षा एवं सुविधा और प्रवर्तन अमले के लिये भी पद स्वीकृत किए गए हैं। इसमें पुलिस एवं विशेष सशस्त्र बल से अधिकारी-कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर अथवा हाल ही में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी-कर्मचारियों को संविदा पर लिया जा सकेगा। संचालित होने वाली बसों की गुणवत्ता नियंत्रण के लिये गुणवत्ता विभाग के अधीन भी पदों की स्वीकृति की गई है। इससे आमजनों की यात्रा सुरक्षित हो सकेगी। राज्य परिवहन उपक्रम के तहत संचालित होने वाली इन बसों की आवाजाही प्रदेश के सभी ISBT एवं बस स्टेण्ड तक हो सकेगी। इस प्रकार एक राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी एवं 7 सहायक क्षेत्रीय कंपनियों में कुल 1190 पद विभिन्न विभागों में सृजित करने की स्वीकृति संचालक मण्डल द्वारा प्रदान की गई है। इसमें चरणबद्ध तरीके से आगामी 4 वर्षों तक पदों को भरा जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के मार्गों में आने वाली बस सेवा एवं जन-सुविधाओं को संबंधित कलेक्टर एवं नगरीय निकायों के माध्यम से आमजन के लिये व्यवस्थित किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे को निर्देश दिये कि 7 शहरों में स्थित इन 7 कंपनियों की देनदारियों के संबंध में विभाग द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जाये। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने निर्देश दिये कि राज्य स्तरीय कंपनी की अधिकृत पूंजी 100 रूपयें तक रखी जाये एवं पेड-अप कैपिटल राशि 35 करोड़ रूपये मंत्रि-परिषद निर्णय अनुसर रखी जाये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव गृह श्री संजय शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे, कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा एवं आयुक्त नगर निगम इंदौर श्री क्षितिज सिंघल वी.सी के माध्यम से बैठक में शामिल हुये।

बिजली चोर को 6 माह की जेल व 59,000 रूपये का भारी जुर्माना

अवैध रूप से निम्न दाब लाइन से सीधे मोटर चलाकर की जा रही थी सिंचाई

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने करेरा क्षेत्र में जांच टीम के माध्यम से कार्रवाई करते हुए ग्राम सिलारपुर निवासी आरोपी शिवराम लोधी (पिता बालिकराम लोधी) को अपने खेत की फसल सिंचाई के लिये 2 हार्स पॉवर की मोटर को निम्न दाब लाइन से सीधे अवैध रूप से चलाने (बिजली चोरी करने) का दोषी पाया।

इस पर विशेष सत्र न्यायाधीश करेरा (शिवपुरी) श्री दिनेश कुमार खाटिक ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135(1)(a) के अंतर्गत 6 माह के सश्रम कारावास और 59,040 रूपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना राशि अदा न करने की स्थिति में दोषी को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

विद्युत कंपनी की अपील

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग के विरूद्ध कंपनी द्वारा निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। समस्त उपभोक्ता वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे विद्युत वितरण प्रणाली पर अनावश्यक भार पड़ता है, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ ही कंपनी को राजस्व की हानि होती है। कंपनी ने कहा है कि अनधिकृत उपयोग अथवा बिजली चोरी पकड़े जाने पर न केवल भारी जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि संबंधित के विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही और जेल भेजने जैसे कड़े कदम भी उठाए जाएंगे। यदि उपभोक्ता अपने परिसर में गैर घरेलू (कमर्शियल) गतिविधि या उच्च क्षमता के उपकरण (जैसे कोल्ड स्टोरेज, ई-व्हीकल चार्जर) का उपयोग कर रहे हैं, तो नियमानुसार भार (Load) स्वीकृत कराएं तथा प्रयोजन के अनुसार कनेक्शन लें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।